SYLLABUS FOR
THE FOUR-YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME (FYUGP)

As per provision of NEP-2020
Implemented from Academic Year 2022 onwards

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
विद्या सर्वस्य भूषणम्
जिला:- राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

DEPARTMENT
OF
SANSKRIT

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE,
RAJNANDGAON (C.G.)

SYLLABUS OF 4 YEARS UG PROGRAM (FYUGP) IN SANSKRIT, AS PER NEP 2020 (SEMESTER-V AND VI)

(GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P G COLLEGE, RAJNANDGAON)

B.A. (Multiple Major) - DEGREE COURSE

(Session 2024-25)

Major 1- SANSKRIT

	SEMESTER	COURSE TYPE	COURSE CODE	PAPER TITLE	CREDIT	Max marks	ESE	IA
THIRD YEAR	V	DSC		वैदिक साहित्य का इतिहास	4	100	80	20
		DSE		वेद	4	100	80	20
		GE		सामान्य संस्कृत -I	4	100	80	20
		SEC		योग के मूलभूत तत्व	2	50	40	10
	VI	DSC		लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास	4	100	80	20
		DSE		भाषाविज्ञान	4	100	80	20
		GE		सामान्य संस्कृत -II	4	100	80	20
		SEC		प्रोजेक्ट	2	50	40	10

ESE- End Semester Exam, IA-Internal Assessment

Instruction for Question paper setting

End Semester Exam (ESE) for DSC and DSE

There will be 03 sections of question of 80marks

Section A- section A will be very short answer type questions consisting 8 questions of 2 marks, two question from each unit.

Section B- section B will be short answer type questions consisting 4 questions of 6 marks each, one question from each unit with internal choice.

Section C- section B will be long answer (Discreptive) type questions consisting 4 questions of 10 marks each, one question from each unit with internal choice.

End Semester Exam (ESE) for SEC

There will be 8 questions of 8 marks each, out of which any 5 question to be answer.Total marks will be 40.

Minimum Pass Marks 40%

Section	Maximum Marks (80)		Maximum Marks (40)	
A	2 x 8 = 16	Very short answer type questions consisting 8 questions of 2 marks, two question from each unit.	8 x 5 = 40	8 questions of 8 mark each, out of which any 5 question to be answer.
B	6 x 4 = 24	Short answer type questions consisting 4 questions of 6 marks each, one question from each unit with internal choice.		
C	10 x 4 = 40	long answer (Discreptive) type questions consisting 4 questions of 10 marks each, one question from each unit with internal choice		

Department: -SANSKRIT

Session: 2024-25	Program: B.A.
Semester: V	Subject: SANSKRIT

Programe Specific Outcome:

1. वैदिक वांङ्मय की प्रामाणिक और यथार्थ जानकारी प्राप्त होगी।
2. विद्यार्थी संस्कृत वांङ्मय की सतत प्रवाहमान यात्रा से परिचित होगा।
3. विविध संहिताओं के इतिहास, कालक्रम एवं वैशिष्ट्य से परिचित प्राप्त होगा । संहिताओं के साथ साथ ब्राह्मण, उपनिषद् एवं वेदांगों का परिचय प्राप्त होगा।
4. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेगा। भाषा के पठन,लेखन तथा संभाषण में रुचि उत्पन्न होगी। वर्णमाला, शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा।शुद्ध उच्चारण क्षमता विकसित होगी।
5. योग विधा के आधारभूत तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा।योग की ओर विद्यार्थियों की रुचि जागृत होगी।

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

FYUGP (CBCS/LOCF Course)

Department: -SANSKRIT

Session: **2024-25**	Program: **B.A.**
Semester: **V**	Subject: **Sanskrit**
Course Type: **DSC**	Course Code: ....
Course Title:	वैदिक साहित्य का इतिहास
Credit: **4**	Lecture: **60**
M.M. 100 = **(ESE 80+IA 20)**	Minimum Passing Marks: **40%**

Title	**वैदिक साहित्य का इतिहास**
Course Learning Outcome:	➢ विद्यार्थी विशाल वैदिक वाङ्मय उसके महत्व एवं उद्देश्यों से परिचित होंगे। ➢ भारतीय वैदिक परंपरा के ऐतिहासिक अध्ययन से गौरव का अनुभव करेंगे। ➢ संहिता के साथ साथ ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद् का विशिष्ट परिचय प्राप्त कर सकेंगे। ➢ वेदों के अध्ययन में वेदांगों की भूमिका से अवगत होंगे ।

Units	**Lectures**	**Lectures (15 x 4 = 60)**	**Credits**
I	15	• ऋग्वेद- अर्थ,विभाजन,शाखाएं,विषयवस्तु, महत्व • यजुर्वेद- अर्थ,विभाजन,शाखाएं,विषयवस्तु, महत्व • सामवेद- अर्थ,विभाजन,शाखाएं,विषयवस्तु, महत्व • अथर्ववेद- अर्थ,विभाजन,शाखाएं,विषयवस्तु, महत्व	1
II	15	• ऋग्वेदीय ब्राह्मण- ऐतरेय, कौषीतकी(शांखायन) • यजुर्वेदीय ब्राह्मण- शतपथ, तैत्तिरीय • सामवेद- पंचविंश,षडविंश,सामविधान, वंश • अथर्ववेद- गोपथ इनका परिचय,विशेषताएं,प्रतिपाद्य विषय	1

III	15	• उपनिषद- ईश, केन कठ, प्रश्न, मुंडक, मांडुक्य,ऐतरेय, तैत्तिरीय, छान्दोग्य, बृहदारण्यक इन उपनिषदों का परिचय, अर्थ, प्रतिपाद्य विषय, महत्व	1
IV	15	• वेदांगपरिचय - शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छंद, ज्योतिष इनका परिचय एवं महत्व	1

अनुशंसित ग्रंथ:-

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति- आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. वैदिक साहित्य का इतिहास- पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. वैदिक साहित्य का इतिहास- डॉ. कर्ण सिंह, साहित्य भंडार, मेरठ
4. वैदिक वांङ्मय का इतिहास- श्री रमाकांत शास्त्री, चौखम्बा, वाराणसी
5. वैदिक साहित्य और संस्कृति- वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा, वाराणसी
6. वैदिक साहित्य का इतिहास- कृष्ण कुमार, साहित्य भंडार, मेरठ
7. वैदिक साहित्य का इतिहास- डॉ. जयदेव वेदलंकार, भारतीय विद्या प्रकाशन

क्र.	नाम	हस्ताक्षर
1	डॉ. दिव्या देशपांडे	
2	डॉ. ललित प्रधान	
3	डॉ. सुमन सिंह बघेल	
4	डॉ. सुषमा तिवारी	
5	डॉ. हेमंत शर्मा	

6. डॉ. फागेश्वर साहू

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

FYUGP (CBCS/LOCF Course)

Department: -SANSKRIT

Session: **2024 -25**	Program: **B.A.**
Semester: **V**	Subject: **Sanskrit**
Course Type: **DSE**	Course Code: ....
Course Title:	**वेद**
Credit: **4**	Lecture: **60**
M.M. 100 = **(ESE 80+IA 20)**	Minimum Passing Marks: **40%**

Title	**वेद**
Course Learning Outcome:	➢ वेदों मे निहित ज्ञान विज्ञान से परिचित होंगे। ➢ चारों संहिताओं के प्रमुख वैदिक देवताओं से संबंधित सूक्तों का परिचय, अध्ययन एवं ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। ➢ मानवमात्र के कल्याण के लिए मंत्रद्रष्टा ऋषियों की उदार भावना से परिचित होंगे। ➢ वैदिक सूक्तों के ऋषि, देवता, छंद से परिचित होंगे।

Units	**Lectures**	**Lectures (15 x 4 = 60)**	**Credits**
I	15	ऋग्वेद- अग्निसूक्त(1.1), संगठन सूक्त (10.191)	1
II	15	ऋग्वेद - हिरण्यगर्भ सूक्त(10.121), (सूर्यसूक्त 1.115)	1
III	15	यजुर्वेद - शिवसंकल्प सूक्त(34.1-6), रुद्रसूक्त(16.1-8)	1
IV	15	अथर्ववेद- काल सूक्त(19.53), सांमनस्य सूक्त(3.30)	1

अनुशंसित ग्रंथ:-

1. वैदिक सूक्त चयनिका- डॉ. किरण टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी
2. वैदिक सूक्त संकलन- विजय शंकर पांडे
3. शिवसंकल्प सूक्त- (संस्कृत हिन्दी टीका सहित) डॉ. त्रिलोकी नाथ द्विवेदी, चौखम्बा साहित्य प्रकाशन, वाराणसी
4. ऋक्सूक्तनिकर:- उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा ऑरिएन्टालिया, वाराणसी
5. वैदिक संग्रह- कृष्णलाल, ईष्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
6. ऋक सूक्त मंजूषा- प्रो. महावीर अग्रवाल, सत्य प्रकाशन, नई दिल्ली
7. ऋक्सूक्त समुच्चय- डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

पाठ्यक्रम समिति		
नाम	हस्ताक्षर	मोबाईल नंबर
डॉ. दिव्या देशपांडे		7987260437
डॉ. ललित प्रधान		6260130038
डॉ. सुमन सिंह बघेल		9926903552
डॉ. सुषमा तिवारी		9179023595
डॉ. हेमंत शर्मा		9926586563

डॉ. फागेश्वर साहू   8349412947

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

FYUGP (CBCS/LOCF Course)

Department: -SANSKRIT

Session: **2024-25**	Program: **B.A.**
Semester: **V**	Subject: **SANSKRIT**
Course Type: **GE**	Course Code: ....
Course Title:	**सामान्य संस्कृत-1**
Credit: **4**	Lecture: **60**
M.M. 100 = **(ESE 80+IA 20)**	Minimum Passing Marks: **40%**

Title	**सामान्य संस्कृत-1**
Course Learning Outcome:	➢ विद्यार्थी विश्वस्वीकृत सर्वश्रेष्ठ संस्कृत व्याकरणशास्त्र की विशेषताओं से परिचय होगा । ➢ वर्णमाला की गहन जानकारीपूर्वक शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा ।उच्चारण की शुद्धता प्राप्त होगी। ➢ शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ पठन, लेखन एवं संभाषण में दक्षता प्राप्त होगी । ➢ व्याकरण का प्रारंभिक अध्ययन करने से विद्यार्थियों का भाषा पर अधिकार स्थापित होता है।

UNIT	Lectures	Lectures (15 x 4 = 60)	Credits
I	15	1.संस्कृत व्याकरण के पारिभाषिक शब्दों का सामान्य परिचय- व्याकरण,अक्षर,वर्ण,पद,धातु,उपसर्ग,प्रत्यय,अव्यय,स्वर ह्रस्व,दीर्घ,प्लुत,गुण वृद्धि,व्यंजन 2.ध्वनियंत्र के अनुसार वर्णों का वर्गीकरण 3.प्रयत्न के अनुसार वर्णों का वर्गीकरण (सभी का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है। सूत्र ज्ञान अपेक्षित नहीं है।)	01
II	15	सुबन्त (शब्दरूप) - राम, लता, फल, कवि,मति ,नदी, भानु, धेनु,वधू, पितृ,मातृ, भवत्, सर्व, तद्, यद्, इदम्, अस्मद्, युष्मद्,	01
III	15	तिङन्त (धातुरूप) - परस्मैपदी - भू, पठ्, गम्, अस्, पा, स्था, दृश्, दा, कृ, तुद्, चुर्, दिव् । आत्मनेपदी - सेव्, रम्, रुच्, मुद्, लभ्, जन्, वृत् । (इन धातुओं के पाँच लकारों में धातुरूप पठनीय है- लट्लकार, लृट्लकार, लङ्लकार, लोट्लकार , विधिलिङ्)	01
IV	15	सन्धि – **स्वर सन्धि** -यण,अयादि,गुण,वृद्धि,दीर्घ (परिभाषा एवं उदाहरण) **व्यंजन सन्धि**- श्चुत्व,ष्टुत्व,जशत्व, (परिभाषा एवं उदाहरण) **विसर्ग सन्धि**- सत्व,रुत्व,ऊत्व(परिभाषा एवं उदाहरण) (इन संधियों का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।सूत्र ज्ञान एवं सिद्धियाँ अपेक्षित नहीं है।)	01

अनुशंसितग्रन्थ –

1. सुगम संस्कृत व्याकरण- डॉ.राकेश शास्त्री,पंचशील प्रकाशन,जयपुर
2. शीघ्रबोधव्याकरणम् – डॉ. पुष्पा दीक्षित, पाणिनीय शोध संस्थान, तेलीपारा, बिलासपुर
3. रूपचन्द्रिका – ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, प्रकाशक –चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
4. धातुरूपावलि: -चौखम्बा विद्याभवन,वाराणसी
5. संस्कृतस्यव्यावहारिकस्वरूपम् – डॉ. नरेन्द्र, प्रकाशक –श्रीअरविन्दआश्रम
6. संस्कृत व्याकरण मंजूषा-प्रो. महुम्मद अयूब,प्रकाशक-कपूर ब्रदर्स,श्रीनगर

पाठ्यक्रम समिति

क्र.	नाम	हस्ताक्षर
1-	डॉ. दिव्या देशपाण्डे	
2-	डॉ. ललित प्रधान आर्य	
3-	डॉ. सुमन सिंह बघेल	
4-	डॉ. सुषमा तिवारी	
5-	डॉ हेमंत शर्मा	
6.	डॉ. भागेश्वर साहू	

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

FYUGP (CBCS/LOCF Course)

Department: -SANSKRIT

Session: **2024-25**	Program: **B.A.**
Semester: **V**	Subject: **SANSKRIT**
Course Type: **SEC**	Course Code: ....
Course Title:	**योग दर्शन के आधारभूत तत्व**
Credit: **2**	Lecture: **30**
M.M. 50 = **(ESE 40+IA10)**	Minimum Passing Marks: **40%**

Title	**योग दर्शन के आधारभूत तत्व**
Course Learning Outcome:	➢ योग विधा के आधारभूत तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा। ➢ योग की ओर विद्यार्थियों की रुचि जागृत होगी। ➢ योग कौशल का विकास विद्यार्थियों के स्वास्थ्य लाभ की दृष्टि से सहायक होगा। ➢ योग के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाश सकेंगे। ➢ प्राचीन योग दर्शन को आधुनिक समय में प्रतिस्थापित करने में सहायता प्राप्त होगी।

UNIT	Lectures	Lectures (15 x 2 = 30)	Credits
I	06	योग दर्शन-योग का अर्थ एवं परिभाषा,उद्येश्य एवं महत्त्व	0.5
II	06	योग दर्शन का उद्भव एवं विकास (सामान्य परिचय अपेक्षित है)	0.5
III	10	अष्टांग योग का सामान्य परिचय	0.5
IV	08	प्रमुख भारतीय योगाचार्यो का परिचय - आदि शंकराचार्य, महर्षि पतंजलि, स्वामी विवेकानन्द योगी गोरक्षनाथ,महर्षि दयानंद सरस्वती,श्री अरविंद, ,महर्षि महेश योगी (सभी का सामान्य परिचय अपेक्षित है)	0.5

अनुशंसितग्रन्थ –

1. पातंजल योगसूत्र- गीताप्रेस,गोरखपुर
2. भारतीय दर्शन-चंद्रधर शर्मा,मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन
3. भारतीय दर्शन-आचार्य बलदेव उपाध्याय,शारदा मंदिर प्रकाशन,वाराणसी
4. वेदों में योग विद्या-डॉ. योगेन्द्र पुरुषार्थी,यौगिक शोध संस्थान,हरिद्वार
5. योग विज्ञान-स्वामी विज्ञानानन्द,योग निकेतन ट्रस्ट,ऋषिकेश

पाठ्यक्रम समिति

क्र.	नाम	हस्ताक्षर
1-	डॉ. दिव्या देशपाण्डे	
2-	डॉ. ललित प्रधान आर्य	
3-	डॉ. सुमन सिंह बघेल	
4-	डॉ. सुषमा तिवारी	
5-	डॉ हेमंत शर्मा	
6.	डॉ. फागेश्वर साहू	